आयी बरसाने वाली है आयी रास रचते है कृष्ण कन्हाई लिरिक्स

आयी बरसाने वाली है आयी,
रास रचते है कृष्ण कन्हाई।bd।

तर्ज – मेरी मैया मेरे घर आई।

देखो टोली है सखियों के संग में,
छाई मस्ती है हर अंग अंग में,
राधा कान्हा को देख मुस्काई,
रास रचते है कृष्ण कन्हाई।bd।

कैसा प्यारा लगे ये नज़ारा,
श्याम राधे को करते इशारा,
देखो राधे रानी शरमाई,
रास रचते है कृष्ण कन्हाई।bd।

राधे नाच नाच श्याम को रिझाए,
कान्हा मुरली जो होंठो से लगाए,
राधा रानी की सुध बिसराई,
रास रचते है कृष्ण कन्हाई।bd।

श्याम अलबेला रास रचाए,
सारे गोकुल को संग में नचाए,
कहे 'पवन' क्या माया रचाई,
रास रचते है कृष्ण कन्हाई।bd।

आयी बरसाने वाली है आयी,
रास रचते है कृष्ण कन्हाई।bd।

गायक – राजू मेहरा जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com